

बीएसीईटीई में टेक्नोलॉजी सेंटर की होगी स्थापना, टाटा स्टील से एमओयू



गालूडीह | बी ए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (बीएसीईटीई) और टाटा स्टील के बीच शुक्रवार को एक एमओयू हुआ। इसके अंतर्गत टाटा स्टील द्वारा बीएसीईटीई कैंपस में टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित किया जाएगा, जिससे प्रोफेसर्स एवं विद्यार्थियों को चौथे औद्योगिक क्रांति में उपयोग होने वाले विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण मिलेगा। इसमें 3डी मॉडलिंग, माइक्रो कंट्रोलर एप्लीकेशन डेवलपमेंट एवं डेवलपमेंट ऑफ लाइब्रेरी कोड्स फॉर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी।

बीएसीइटी जमशेदपुर-टाटा स्टील में एमओयू

जमशेदपुर. बीए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (बीएसीइटी), जमशेदपुर एवं टाटा स्टील के बीच एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) हस्ताक्षर किया गया. इसके अंतर्गत टाटा स्टील द्वारा बीएसीइटी कैंपस में टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित किया जायेगा. प्रोफेसर्स एवं विद्यार्थियों को चौथे औद्योगिक क्रांति में उपयोग होने वाले विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षित होने का मौका मिलेगा. 3-डी मॉडलिंग, माइक्रोकंट्रोलर एप्लीकेशन डेवलपमेंट एवं डेवलपमेंट ऑफ लाइब्रेरी कोड्स फॉर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन की जानकारी मिलेगी. विद्यार्थियों को इंटरनशिप ट्रेनिंग सुविधा मिलेगी. कॉलेज के चेयरमैन डॉ शिव कुमार सिंह ने टाटा स्टील को इस सहयोग के लिए धन्यवाद दिया.



समाचार सार

टाटा स्टील टेक्नोलॉजी सेंटर करेगी स्थापित

जासं, जमशेदपुर : बीए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (बीएसीइटी) जमशेदपुर एवं टाटा स्टील के बीच एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। इसके अंतर्गत टाटा स्टील की ओर से बीएसीइटी कैंपस में टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित किया जाएगा। इससे प्रोफेसर एवं विद्यार्थियों को चौथे औद्योगिक क्रांति में उपयोग होने वाले तकनीकी क्षेत्र जैसे ग्री डी मॉडलिंग, माइक्रोकंट्रोलर एप्लीकेशन डेवलपमेंट एवं डेवलपमेंट ऑफ लाइब्रेरी कोड्स फॉर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन का प्रशिक्षण प्राप्त हो सकेगा। इसमें विद्यार्थियों को इंटर्नशिप ट्रेनिंग सुविधा मिलेगी। कॉलेज के चेयरमैन डॉ. शिव कुमार



बीए इंजीनियरिंग कॉलेज व टाटा स्टील के बीच एमओयू हुआ • जागरण

सिंह ने टाटा स्टील को इस सहयोग और विश्वास के लिए धन्यवाद दिया और आशा जाहिर की कि इस एमओयू से इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट कोलेब्रेशन का एक सही उदाहरण स्थापित होगा, जो भविष्य में दोनों संस्थानों के लिए फायदेमंद होगा।